शहरी मितानिन विशेषांक अंक-10/अप्रैल-2022

मितानिन पाती

मितानिन की बातें-मितानिन की ख़बरें

परिकल्पना एवं निर्माण : राज्य स्वास्थ्य संसाधन केन्द्र, छत्तीसगढ़

मितानिन पाती पढ़ने वाले सभी पाठकों को अभिवादन,

साथियों, शहरी स्वास्थ्य मितानिन कार्यक्रम की तरफ से पिछले 7 वर्षों से मितानिन पाती प्रकाशित की जा रही है। मितानिन पाती में मुख्य रूप से मितानिन और महिला आरोग्य समिति के सदस्यों के द्वारा किये जा रहे कार्यों को प्रकाशित किया जाता है। हमारा प्रयास रहता है कि हम पाती में सभी 20 शहरों जिसमें शहरी मितानिन कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है, उनकी सफलता की कहानी को शामिल करें। मितानिन पाती मितानिनों और महिला आरोग्य समिति के लिए प्रेरणा का स्रोत है, जिसे पढ़कर उन्हें अपने-अपने क्षेत्रों में अच्छा कार्य करने की प्रेरणा मिलती है। साथियों, यह आप समझ सकते हैं कि आपके द्वारा भेजे जाने वाली हर सफलता की कहानी को छापना संभव नहीं होता है, परन्तु आपके द्वारा किये गये सभी कार्य सराहनीय रहते हैं।

साथियों आपको मितानिन पाती कैसी लगती है आप पाती में क्या जोड़ना और क्या बदलाव चाहते हैं, इस संबंध में अपने सुझाव दीजिए। आप अपने सुझाव लिखित में पत्र के द्वारा या मेल के माध्यम से भेज सकते हैं।

पता -
प्रति,
कार्यक्रम समन्वयक (शहरी कार्यक्रम)
राज्य स्वास्थ्य संसाधन केन्द्र,
बिजली आफिस चौक, कालीबाड़ी, रायपुर
पिन नं- 492001
shrc.cg@gmail.com

आपके द्वारा समय निकालकर मितानिन पाती पढ़ी जाती है, इसके लिए हम आपके आभारी हैं।

Mitanin Paati Letter Inbox ×

CPM Ambikapur
to me

Respected Sir,

Please find Attachments
Mitanin Paati Letter
Enclosed to You

Thanking You
Regards With/

City Programme Mananger
National Urban Health Mission, Ambikapur
Dist. - Surguja (C.G.)

कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी
अम्बिकापुर, जिला – सरगुजा (छ.ग.)

पत्र क्र./2467/NUHM /2022 अम्बिकापुर, दिनांक 31/03/2022

प्रति,
श्रीमती शशि राजवाड़े,
मितानिन समन्वयक,
शहरी क्षेत्र, अम्बिकापुर,
जिला–सरगुजा, छ0ग0,

विषयः–मितानिन पाति पत्रिका के संदर्भ में।

–00–

उपरोक्त विषयांन्तर्गत लेख है, कि मितानिन पाति पत्रिका में शहरी स्वास्थ्य कार्यक्रमों के बारे में जानकारी शहर के प्रत्येक मोहल्लो में दी जाती है। मितानिन पाति में पुरे छ.ग. के समस्त शहरी मितानिनों के बारे में जानकारी उपलब्ध कराई गई है। जो एक बहुत अच्छी पहल है। राज्य स्वास्थ्य संसाधन केन्द्र रायपुर के द्वारा प्रकाशित इस मितानिन पाति में मितानिन के द्वारा किये गये कार्य एवं हितग्राहियों को मिलने वाले लाभ का विस्तृत विवरण है। मैं आपको इस पत्रिका के लिए हार्दिक अभिनंदन व शुभकामनाए प्रेषित करता हूं।

शहरी कार्यक्रम प्रबंधक
कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी
अम्बिकापुर – जिला सरगुजा छ.ग.

मैं पार्षद पुष्पा कंवर वार्ड क्र. 47 जमनीपाली जिला कोरबा छ.ग. की पार्षद हूं मैंने मितानिन पाती को पढ़ा मुझे मितानिन पाती में पृष्ठ क्र. 3 में सिकल सेल एनिमिया से सम्बंधित जानकारी छपा है वह मुझे बहुत अच्छा लगा। मितानिन दीदी द्वारा सम्भावित सिकल सेल एनिमिया के मरीजों की खोज कर सरकारी अस्पताल में मुफ्त जाँच, इलाज एवं मुफ्त दवाई दिला रही है। इसी तरह से हर प्रकार कि बिमारीओं के बारे में मितानिन दीदी पहचान कर जाँच करवाने इलाज करवाने में जो सहयोग दे रही है। वो हर साल मितानिन पाती में छपना चाहिए।

पुष्पा देवी कंवर
पार्षद
वार्ड क्र. 47, जमनीपाली
नगर पालिक निगम, कोरबा (छ.ग.)
06/04/2022

...मोहल्ला नाटक कर पारे में सभी को अपने हक की जानकारी देंगें और उन्होंने नुक्कड़ नाटक करके दिखाकर पारे के लोग बहुत प्रभावित हुए। और पारे वाले ने समिती और मितानिन को धन्यवाद अच्छी जानकारी देने के लिए।

पाती से प्रेरित होकर समिति ने किया नुक्कड़ नाटक

वार्ड क्र. 45 ओड़ियाँ बस्ती में महिला. आरोग्य. समिती की बैठक किया गया। जिसमें समिती के बैठक दौरान मितानिन पाती पढ़कर सुनाया गया। जिसे सुनकर समिती के सदस्य प्रेरित हुए और उन्होंने तुरंत तय किया कि वो मोहल्ले में जाकर महिला हिंसा पर नुक्कड़ नाटक कर पारे में सभी को अपने हक की लड़ाई पर जानकारी देंगें और उन्होंने नुक्कड़ नाटक करके दिखाया जिसे देखकर पारे के लोग बहुत प्रभावित हुए। और पारे वाले ने समिती और मितानिन को धन्यवाद कि दिया अच्छी जानकारी देने के लिए।

प्रार्थी
महिला. आरोग्य समिती
ओड़ियाँ. बस्ती. वार्ड क्र. 45
मितानिन - संध्या भोंसले

कार्यकारी संचालक
कालीबाड़ी रायपुर (छ.ग.)

मितानिन पाती 2021 - शहरी मितानिन विशेषांक

अच्छा – सभी जिले से छपे है। और महिला आरोग्य समिति के सदस्य लोगों को जो पारे में सहयोग किया गया है। उसको मितानिन पाती में छापने से अन्य और महिला आरोग्य समिति के सदस्य को प्रेरणा मिलती है। सभी पाती में महिला हिंसा पर छपता है। ये भी अच्छा लगता है। इस मितानिन पाती से सभी कामों का सभी को पता चलता है। कमी –

कमी – मितानिन पाती में पेज को और बढ़ाना चाहिए ताकि सभी जिला से दो-दो छप सके। और जो मितानिन के माध्यम से तुलसा बन रहा है तो जो तुलसा का फोटो छपता है। उसको छपना था लेकिन आधा को ही छाप दिया है। ज्यादा से ज्यादा कहानी महिला आरोग्य समिति से होना चाहिए

महिला आरोग्य समिति
कोरबा (छ.ग.)

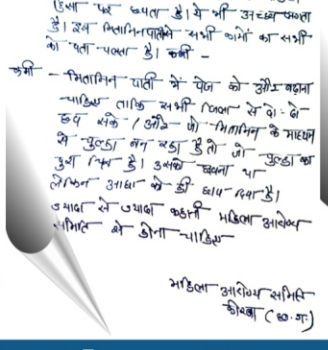

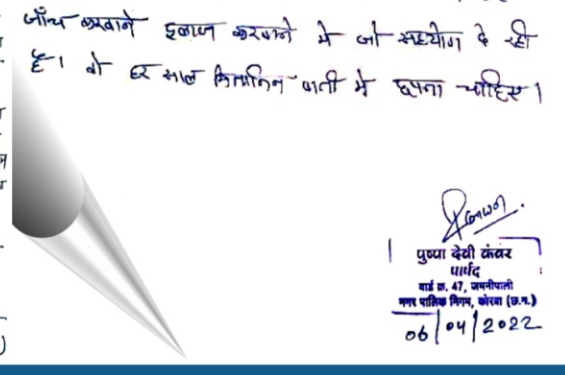

महिला दिवस में मितानिनों का किया गया सम्मान

रिसाली

राजनांदगांव

जन स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए मितानिन के द्वारा किये गये प्रयास

टी.बी. के मरीज का शराब पीना मौत को दावत देना जैसा है (वार्ड-3, मठपारा, दुर्ग)

पारा की मितानिन को परिवार भ्रमण के दौरान पता चला की एक परिवार के 45 वर्षीय पुरूष को बुखार आ रहा है। मितानिन उससे मिलने गयी तो पुरुष मितानिन से छुपा रहा था की उसे बुखार है। मितानिन ने उससे बातचीत कर उसे समझाया और उसकी खांसी से मितानिन समझ गयी की उसकी तबियत ठीक नहीं है। पुरुष को बुखार, खांसी और वजन भी कम हो रहा था। मितानिन ने पुरुष को बहुत समझाकर जिला अस्पताल लेकर गयी। जिला अस्पताल में जांच में पुरुष को टी.बी. होने की जानकरी दी गयी। पुरुष को टी.बी. की दवा दी गयी। कुछ दिन तक तो पुरुष ने ठीक से दवा खायी परन्तु कुछ दिन के बाद मितानिन सुबह दवा खिलाने आएगी सोचकर शराब पी लेता था। दवाई नहीं खाने के कारण पुरूष की तबियत बहुत बिगड़ने लग गयी थी। मितानिन ने फिर से पुरुष की जांच करवाई तो बीमारी ज्यादा बढ़ गयी थी। पुरुष को इंजेक्शन और दवा दोनों एक साथ लेना पड़ा। मितानिन पुरुष को बार–बार शराब नहीं पीने के लिए समझाती रही और समय पर दवा खिलाती रही। समय पर दवा, इंजेक्शन और इलाज के दौरान शराब नहीं पीने से पुरुष की तबियत ठीक हो गयी। अब पुरुष ने शराब पीना भी छोड़ दिया है।

परमेश्वरी चंद्राकर-मितानिन

मितानिन ने बीमार नवजात का तुरंत इलाज करवाया (वार्ड- 16, पंखा दफाई, चिरमिरी, कोरिया)

पारा की मितानिन फुलकुंवर परिवार भ्रमण के लिए एक नवजात के घर गयी। नवजात की पसली धस रही थी और सांस की गति भी तेज थी। नवजात की मां बच्चे को दूध पिलाने की कोशिश कर रही थी पर बच्चा दूध नहीं पी पा रहा था। मितानिन ने बच्चे को तुरंत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर गयी। डॉक्टर ने बच्चे की जांच की और कुछ जांच अस्पताल में नहीं होने के कारण बाहर से करवाने के लिए लिखी। नवजात के परिवार वाले बहुत गरीब होने की वजह से जांच नहीं करवा पा रहे थे। मितानिन ने अपने क्षेत्र की महिला आरोग्य समिति से नवजात के इलाज में मदद के लिए बात की परन्तु समिति के पास पैसे नहीं होने की वजह से वे कोई मदद नहीं कर पाए। मितानिन ने दूसरे क्षेत्र की समिति से मदद मांगी तो उन्होंने नवजात के इलाज के लिए कुछ पैसे दिए। समय पर जांच होने से बच्चे का इलाज हो गया और बच्चा अभी स्वस्थ है।

मितानिन-फुलकुंवर

गंभीर कुपोषित बच्चों को इलाज के लिए पोषण पुनर्वास केन्द्र भेजा (नहुरिया पारा, नैला वार्ड-2 - जांजगीर चांपा)

पारा में परिवार भ्रमण से मितानिन ने 5 कुपोषित बच्चों की पहचान की। मितानिन की सलाह पर दो बच्चों को तो परिवार वाले तुरंत पोषण पुनर्वास इलाज के लिए लेकर चले गए परन्तु तीन बच्चे अभी भी छूटे थे। मितानिन ने बार–बार जाकर उन बच्चों के परिवार वालों को समझाया की पोषण पुनर्वास केंद्र में मुफ्त में इलाज होगा और परिवार के एक सदस्य को भोजन और 14 दिन का 150 रुपये प्रतिदिन के हिसाब से मजदूरी का भुगतान भी किया जाएगा। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता ने भी बच्चों के परिवार वालों को इलाज के लिए प्रेरित किया। सबके समझाने से तीनों बच्चों को परिवार वाले के साथ पोषण पुनर्वास केंद्र में भर्ती किये। पोषण पुनर्वास में बच्चों का ठीक से इलाज हुआ। पोषण पुनर्वास केंद्र से लौटने के बाद मितानिन ने घर जाकर उन बच्चों के परिवार के लोगों को उनके खानपान की सलाह दी। अभी सभी 5 बच्चे ठीक हैं।

मितानिन के प्रयास से विकलांग नवजात को चिरायु योजना का लाभ मिला (अंबिकापुर)

पारा की मितानिन अपने पारा से एक गर्भवती महिला को प्रसव के लिए जिला अस्पताल लेकर गयी। प्रसव सामान्य हुआ परन्तु बच्चा विकलांग पैदा हुआ। बच्चे की एक आंख नहीं थी और होंठ कटा हुआ था। जिला अस्पताल की नर्स इस बात की जानकारी डॉक्टर को भी नहीं दी और न है किसी से इस बारे में चर्चा की। मितानिन ने अपनी एम.टी. को बच्चे के बारे में बताया एवं बच्चे की फोटो भी भेजी। एम.टी. के द्वारा वह फोटो को शहरी व्हाट्सएप समूह में भेज दिया गया। इस समूह में सी.पी.एम. और डॉक्टर भी जुड़े थे। सी. पी.एम. ने बच्चे की फोटो देखकर एम.टी. से तुरंत सम्पर्क किया और बच्चे के परिवार की पूरी जानकरी लिए और डॉक्टरों से भी सम्पर्क किये। डॉक्टरों की सहायता से चिरायू के तहत बच्चे को इलाज के लिए रायपुर रेफर कर दिया गया। पहले माह बच्चे का आँख का आपरेशन किया गया और फिर तीन माह बाद होंठ का आपरेशन किया गया। बच्चे के परिवार वालों को अस्पताल आने जाने एवं खाने की सुविधा दी गयी। आज बच्चे का पूरा चेहरा ठीक हो गया है।

आशा-मितानिन

सिकलसेल का समय पर इलाज नहीं होने पर मरीज की स्तिथि गंभीर भी हो सकती है (सोरिद नगर डिपो पारा, वार्ड-35, धमतरी)

पारा में एक परिवार रहता है जिनकी दो बेटियां है 13 वर्ष की और एक 15 वर्ष की जो हमेशा बीमार रहती थी। बड़ी बेटी 15 वर्ष की है परन्तु देखने में 10 वर्ष की लगती है, उसका वजन कम है। पूरा शरीर पीला दीखता है, हमेशा जोड़ों में दर्द रहता है और कद भी कम है। बड़ी बेटी को जब बठेना अस्पताल में भर्ती किये तो पता चला की उसे सिकलसेल है। बड़ी बेटी को बार–बार खून चढ़ाया जाता था। बेटी के मां–बाप बहुत से डॉक्टर को दिखाए, जड़ी बूटी लाकर खिलाते थे, बैगा को भी दिखाए परन्तु कोई फायदा नहीं हुआ। इन सब में उनका बहुत पैसा भी खर्च हो गया और उनकी आर्थिक स्तिथि और खराब हो गयी। उसके बाद उन्होंने बेटी को भगवन भरोसे छोड़ दिया। इसी बीच छोटी बेटी में भी वही सब लक्षण दिखने लगे। इसी दौरान पारा की मितानिन परिवार भ्रमण के लिए इस परिवार के घर आई तो बेटियों की मां ने मितानिन को सारी बात बताई। मितानिन ने मां को सरकारी अस्पताल में सिकलसेल की इलाज और सुविधाओं के बारे में समझाया। मितानिन घर के चारों सदस्यों को जिला अस्पताल लेकर गयी और सभी का सिकलिंग जांच करवाई। जांच में माता–पिता का AS और दोनों बेटियों का SS निकला। दोनों बहनों को डॉक्टर ने हाईड्रोक्सी यूरिया दवा देना चालू की। मितानिन ने दोनों का प्रमाण पत्र भी बनवा दिया अब दोनों हर माह अस्पताल जाकर अपनी दवा लेकर आ जाते हैं और पहले से उनके स्वास्थ्य में बहुत सुधार आया है। अब वे स्कूल जाने लगी है।

सरिता पटेल - मितानिन

स्वस्थ समाज बनाने में महिला आरोग्य समितियां निभा रही है जिम्मेदारी

समिति के प्रयास से मानसिक रोगी महिला का राशन कार्ड बना (वार्ड-46, डबरीपारा, बसन्तपुर, राजनांदगांव)

पारा में एक विधवा, पैर से विकलांग और मानसिक रोगी महिला अपने तीन बच्चों के साथ रहती है। इस महिला का राशन कार्ड बनवाने के लिए पारा की महिला आरोग्य समिति और मितानिनों के बहुत प्रयास के बाद ए.पी.एल. कार्ड बना। ए.पी. एल. कार्ड में भी राशन के लिए 10 रुपया लगता है। बेसहारा महिला कुछ काम नहीं करती थी तो उसके पास पैसा नहीं रहता था। समिति के सदस्यों, मितानिन और एम.टी. ने ए.पी.एल. कार्ड से नाम कटवा कर महिला का बी.पी.एल. कार्ड के लिए सीधा कलेक्टर से मिले और उन्हें महिला की स्थिति के बारे में बताकर आवेदन दिए। अगले माह महिला का बी.पी.एल. कार्ड बन गया। बी.पी. एल. कार्ड बनने से महिला और उसके परिवार को बहुत मदद मिली।

महिला आरोग्य समिति व मितानिन लक्ष्मी साहू

समिति और मितानिन के प्रयास से पारा वालो को दूषित पेयजल से छुटकारा मिला (महासती वार्ड- 17, भाटापारा)

पारा की मितानिन सरस्वती डहरिया को राज्य स्वास्थ्य संसाधन केंद्र में पानी की जांच के लिए H2S किट मिला था। मितानिन ने पारा के पेयजल की जांच के लिए एक दिन तय किया और उसकी सूचना महिला आरोग्य समिति को दी। इसके साथ ही मितानिन ने पारा वालों और पार्षद को भी उस दिन बुलाया। समिति के सदस्यों और मितानिन ने सभी को पानी जांच के बारे में जानकरी देकर बोरवेल के पीछे पाईप नल के नल से H2S किट में पानी भरा गया। 24 घंटे के बाद पानी को देखा गया तो पानी पूरा काला हो गया था। समिति के सदस्यों और मितानिन के द्वारा तुरंत पार्षद को बुलाकर पानी दिखाया गया। पार्षद ने जांच किये पानी को देखा और पानी की समस्या का आश्वासन दिया गया। एक सप्ताह के अन्दर ही नगर पालिका से कर्मचारी आए और उन्होंने पाईप लाईन की जांच की तो पाया की अंदर से पाईप लाईन फूटा हुआ है। फूटे हुए पाईप लाईन को सुधारा गया और उसके बाद फिर से पानी की H2S किट से जांच की तो पानी साफ आया।

महिला आरोग्य समिति व मितानिन सरस्वती डहरिया

समिति और मितानिन ने बेसहारा महिला को मकान मालिक के अत्याचार से बचाया (वार्ड-4 डालडा पारा, कवर्धा)

पारा में एक महिला किराये के मकान में रहती थी। घर की स्थिति खराब होने के कारण महिला का पति बाहर कमाने चला गया था। इसी दौरना लाकडाउन लग गया तो काम बंद हो गया। काम नहीं होने के कारण महिला तीन माह तक घर का किराया नहीं दे पायी। परन्तु बाद में धीरे–धीरे कर किराया देने लगी। घर का मकान मालिक महिला के साथ अभद्र व्यवहार करने लगा। महिला ने वह घर छोड़ दिया और दूसरे मकान में रहने लगी। एक दिन पूराने मकान मालिक की पत्नी और उसके साथ एक अन्य महिला आई और बेसहर महिला के साथ बुरा व्यव्हार की, उसका टी.वी. और एक हजार रुपये निकाल कर जबरदस्ती ले गयी। महिला बहुत रो रही थी उसी समय मितानिन और महिला आरोग्य समिति के सदस्य महिला के घर गए और उसे चुप करवाए। समिति के सदस्यों ने महिला को महिला पुलिस थाने में रिपोर्ट लिखवाने के लिए प्रेरित किया। महिला ने समिति और मितानिन के सहयोग से थाने में लिखित में शिकायत की। थाने से पुलिस वाले महिला के घर आए और घटना की पूरी जानकरी लेने के बाद मकान मालिक के घर गए और महिला का टी.वी. वापस दिलवाए और पैसे के लिए मकान मालिक ने बोला की थोड़ा–थोडा करके दे देगी।

महिला आरोग्य समिति, डालडा पारा लक्ष्मी-मितानिन

मितानिनो एवं समिति के विरोध से राशन दूकान वाले साफ चावल दिया (वार्ड-34, बिरगांव)

एक माह राशन दूकान में बहुत की खराब चावल दिया जा रहा था। वार्ड क्र. 33 और 34 की मितानिनों और समिति के सदस्यों और पारा के लोगों ने एक साथ मिलकर दूकान के सामने हल्ला किये। दूकान वाले के साथ बहुत बहस हुयी। मितानिन ने आवेदन बनाना चालू किया तो ठेकेदार को बुलाया गया। ठेकेदार ने बोला की सरकार गोदाम खाली कर रही है इसलिए अंदर से दबा हुआ चावल निकल रहा है, और उसने यह भी बोला की इस माह तो यही चावल लेना पड़ेगा अगले माह से साफ चावल मिलेगा। सभी लोगों ने मिलकर बोला की अगर साफ चावल नहीं दिए तो हम सब यह चावल कलेक्टर के पास लेकर जाएंगे। मितानिन लोगों ने आवेदन बनाकर तैयार रखा था। दूकान वाले ने उसी समय दुकान बंद की और पुराना चावल लेकर गए और नये चावल उसी दिन लाकर सबको दिए।

महिला आरोग्य समिति व मितानिन सरला वर्मा

जनसंवाद सम्मेलन

जनसंवाद 2021-22-जनसंवाद एक मंच है जहां जनता अपनी समस्याओ और अपने मूलभूत अधिकारों की मांगो को शासन के प्रतिनिधियों के समक्ष बेझिझक रखते हैं। गत 6 वर्षों में शहरी गरीब लोगों के लिए जनसंवाद एक लोकतांत्रिक मंच के रूप में कार्य कर रहा है। वर्ष 2022 के फरवरी व मार्च माह में राज्य के 20 शहरों में महिला आरोग्य समिति के द्वारा 22 जनसंवाद का आयोजन कर लगभग 20 हजार प्रतिभागियों के द्वारा नगरीय प्रशासन और जनप्रतिनिधियों समक्ष अपने अधिकार की आवाज उठाई गयी। इस वर्ष जनसंवाद कार्यक्रम में जनसमस्या के 5049 आवेदन जनप्रतिनिधियों के समक्ष समाधान के लिए प्रस्तुत किये गये।

प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना का लाभ लेने के लिए ली जा रही रिश्वत को जनसंवाद के माध्यम से रोका गया

(भिरुरुमुड़ा राजीव गाँधी नगर वार्ड- 37, रायगढ़)

पारा में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के द्वारा मातृत्व वंदना योजना के हितग्राहियों से उन्हें योजना का लाभ दिलाने के लिए 200 से 500 रूपये लिया जाता था। हितग्राहियों ने पारा की मितानिन को बताया तो मितानिन ने कार्यकर्ता से बात की परन्तु वह नहीं माने। मितानिन् ने हितग्राहियों को बोला की हम लोग महिला एवं बाल विकास विभाग में इसका आवेदन देंगे परन्तु इसी दौरान शहर में महिला आरोग्य समिति के द्वारा जनसंवाद कार्यकम का आयोजन किया गया। जनसंवाद कार्यक्रम में सी. डी.पी.ओ. आए थे। मितानिन ने उन्हें आवेदन दिया और बोला की गरीबों को उनका अधिकार दिलाने के लिए आपकी कार्यकर्ता पैसे लेती है। परियोजना अधिकारी के द्वारा कार्यकर्ता को बुलाकर बहुत डाटा गया और ऐसा करने पर इस्तीफा देना पड़ेगा बोला गया। कार्यकर्ता ने अपनी गलती की माफी मांगी और दोबारा ऐसा नही होगा बोली। कार्यकर्ता की स्थिति को देखकर आसपास के कार्यकर्ता को भी सबक मिल गया वे लोग समय पर केंद्र खोलने लग गए, जिन केन्द्रों में अंडा नहीं दे रहे थे वहां अंडा मिलने लग गया।

विद्या डड़सेना-मितानिन

जनसंवाद के माध्यम से प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना की राशी महिलाओं को मिली (वार्ड-4, देवांगन पारा, कोरबा)

पारा में रहने वाली बहुत सी गर्भवती महिलाओं को तीन वर्षों से मातृत्व वंदना योजना की राशी नहीं मिली थी। पूरे समुदाय में जब बहुत सी गर्भवती महिलाओं और उनके परिवार वालों को यह पता चला की मातृत्व वंदना योजना का लाभ बहुत से लोगों को नहीं मिला है तो वे सब एक साथ कलेक्टर एवं महिला बाल विकास के कार्यालय में आवेदन दिए परन्तु कोई कार्यवाही नहीं हुयी। इसी दौरान इस वर्ष मार्च माह में महिला आरोग्य समिति के द्वारा लोगों की समस्याओं को सीधे रूप से जनप्रतिनिधियों और प्रशानिक अधिकारियों के सामने समाधान के लिए रखने जनसंवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जनसंवाद कार्यक्रम में देवांगन पारा के मातृत्व वंदना योजना के हितग्राहियों ने महिला बाल विकास विभाग के अधिकारियों के सामने अपनी समस्या पर आवेदन तैयार कर दिया। एक माह के बाद सभी हितग्राहियों को उनका अधिकार मिल गया।

सुमन देवी ठाकुर-मितानिन

शहर में बनाया जाएगा मितानिन भवन व प्रशिक्षण केन्द्र

मितानिनों की बहुप्रतीक्षित मांग जल्द होगी पूरी

जन संवाद कार्यक्रम मे उपस्थित जनप्रतिनिधि, अधिकारी व मितानिन।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अम्बिकापुर

स्वास्थ्य के क्षेत्र में जिस तरह से मितानिन बहने अपनी योगदान दे रही है वैसे में उनकी समस्याओं का निराकरण हो ना चा हि ए। खास कर मि ता नि न भवन की नितांत आवश्यकता है जहां उन्होंने रूकने ठहने खाने पीने एवं परिक्षण की व्यवस्था हो। उक्त बातें दर्रीपारा स्थित सामुदायिक केन्द्र में आयोजित शहरी मितानिन कार्यक्रम के जनसंवाद कार्यक्रम में जिपं उपाध्यक्ष आदित्येश्वर शरण सिंहदेव ने कही साथ ही आगामी वित्तीय वर्ष में मितानिन के इस बहुप्रतीक्षित मांग को पूरा करने की घोषणा की।

खास बात
- शहर के समस्त मितानिन हुए शामिल

जल्द मिलेगी सुविधा

मितानिन जनसंवाद कार्यक्रम मे मितानिन बहनों की समस्याओं की जानकारी ली। उनकी सफलता व मांग पर शीघ्र ही जिला मुख्यालय में एक मितानिन भवन व प्रशिक्षण केन्द्र बनाया जाएगा। जहां पर गांव-गांव से आने वाली मितानिन बहनों को रुकने की सुविधा मिल सके।
आदित्येश्वर शरण सिंहदेव, जिपं उपाध्यक्ष

स्वास्थ्य क्षेत्र में अहम भूमिका

आम जनता तक स्वास्थ्य सुविधाओं को सुलभता से पहुंचाने में मितानिन का रोल अत्यंत महत्वपूर्ण है। स्वास्थ्य सुविधा प्रदान करने वाले प्रशासन शासन एवं अंतिम व्यक्ति में मौजूद हितग्राही के बीच की कड़ी है। कोरोना काल में मितानिन द्वारा किए गए कार्य की जो सराहनीय है।
-डॉ. अजय तिर्की, महापौर

शुक्रवार को दर्रीपारा स्थित सामुदायिक केन्द्र भवन में शहरी मितानिन कार्यक्रम द्वारा जनसंवाद का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शहर के समस्त 95 मितानिन और 990 महिला आरोग्य समिति के सदस्य समेत जनप्रतिनिधि शामिल हुए। इस अवसर पर मितानिन बहनों द्वारा अपनी विभिन्न समस्याओं व मांगों से जनप्रतिनिधि एवं प्रशासनिक अधिकारियों को समक्ष रख कर अवगत कराया। महापौर डॉ. अजय तिर्की ने मितानिन कार्यक्रम की समलता एवं उनके लग्न की सराहना की। जिला पंचायत उपाध्यक्ष आदित्येश्वर शरण सिंहदेव ने मितानन से रूबरू होकर न सिर्फ चर्चा की बल्कि उनकी कई मांगों का वहीं पर निराकृत किया। उन्होंने शहर में मितानिन भवन की नितांत आवश्यता बताई जिसमें समस्त मितानिन बहने के लिए रूकने,ठहरने खाने एवं प्रशिक्षण की व्यवस्था हो। उन्होंने घोषणा किया की आगामी वित्तीय वर्ष में मितानिनके बहुप्रतीक्षित मांग को पूरा करने की बात कही। इस अवसर पर मितानिन समन्वयक अर्चना कुशवाहा एवं शहरी मैदान इन समन्वयक श्रीमती शशि राजवाड़े ने भी अपनी बात को रखा एवं मांग पत्र बनाकर जनप्रतिनिधि एवं सीएमएचओ डॉ. पीएस सिसोदिया को प्रदान किया। इस दौरान जिपं सदस्य राकेश गुप्ता, पूर्व पार्षद बंटी शर्मा समेत अन्य पार्षद एवं जिला पंचायत सदस्य के अलावा रायपुर से आए हुए मितानिन समन्वयक उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम प्रबंधक डॉ. अमीन फिरदौसी द्वारा किया गया।

हेल्प डेस्क से संचालन

मितानिन को होने वाली परेशानियों को देखते हुए जिला अस्पताल के अलावा एवं समस्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में मितानिन हेल्प डेस्क का संचालन और बेहतर ढंग से किया जाएगा ताकि मितानिन को किसी प्रकार की कोई परेशानी न हो।
-डॉ. पीएस सिसोदिया, सीएमएचओ

राजधानी के टिकरापारा हरदेवलाला मंदिर में रायपुर क्षेत्र की मितानिनों का जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें नाटक के जरिए शासकीय योजनाओं की निगरानी, और जनता को मिलने वाले लाभ को प्रदर्शित किया गया।तस्वीर/ छत्तीसगढ़'

जनसंवाद कार्यक्रम से बच्चे को सुनने की मशीन मिली

(ठाकुर देव चौक, गनियारी, चरोदा)

पारा में रहने वाले 10 वर्षीय लोकेश को सुनाई और दिखाई नहीं देता था। मितानिन के बहुत प्रयास से बच्चे का विकलांगता प्रमाण पत्र बन गया परन्तु बच्चे के कान की मशीन के लिए उसे जिला अस्पताल से मेकाहारा बार–बार चक्कर काटना पड़ रहा था। इसी दौरान चरोदा शहर में जनसंवाद किया गया। इस कार्यक्रम में मितानिन ने लोकेश के लिए कान की मशीन के लिए आवेदन तैयार कर कलेक्टर को दिया और उसे कितना संघर्ष करना पड़ा यह भी बताया। आवेदन के आधार पर मितानिन के पास दो दिन बाद समाज कल्याण विभाग से फोन आया और चार दिन बाद बच्चे को लेकर आने बोला गया। चार दिन बाद मितानिन और लोकेश के माता–पिता लोकेश को लेकर गए और लोकेश को कान की मशीन मिल गयी। लोकेश बहुत खुश है की अब वह सुन सकता है।

बिन्देश्वरी पटेल-मितानिन

सम्मेलन के माध्यम से बेसहारा महिला के घर लगा नल का कनेक्शन

(माहुरबंदपारा वार्ड-4,कांकेर)

पारा में एक गरीब महिला अपने तीन छोटे–छोटे बच्चों के साथ रहती थी। महिला की आर्थिक स्थिति बहुत खराब थी। महिला के घर में पानी का साधन नहीं होने की वजह से उसे पानी की बहुत परेशानी होती थी। शहर में इसी दौरान जनसंवाद कार्यक्रम किया गया। पारा की मितानिन ने महिला के घर में पानी के कनेक्शन के लिए पार्षद को आवेदन दिया गया और उसकी समस्या को भी बताया गया। पार्षद ने महिला की समस्या को समझते हुए उसके घर दो दिन में नल का कनेक्शन लगवा दिया।

अनीता यादव-मितानिन

सम्मेलन के माध्यम से आंगनबाड़ी की सुविधा नहीं ले पा रहे बच्चों को मिली आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिका (धरमपुर वार्ड-60, कोरबा)

वार्ड में आंगनबाड़ी केंद्र तो था परन्तु वहां पर कार्यकर्ता और सहायिका की जगह खाली थी। वार्ड में रहने वाले 158 बच्चों को और गर्भवती महिलाओं को एक वर्षो से आंगनबाड़ी की सुविधा का लाभ नहीं मिल पा रहा था। आंगनबाड़ी की सुविधा नहीं मिलने की वजह से बच्चों में कुपोषण और प्रारंभिक शिक्षा का आभाव बढ़ते जा रहा था। पारा विकास समिति और महिला आरोग्य समिति के द्वारा कलेक्टर को आवेदन दिया जा चूका था परन्तु कुछ नहीं हुआ। फरवरी माह में महिला आरोग्य समिति के द्वारा जनसमस्याओं के समाधान के लिए जनसंवाद कार्यक्रम रखा गया। पारा वालों के द्वारा एक आवेदन तैयार कर एम.टी. को दिया गया। एम.टी. के द्वारा यह आवेदन जनसंवाद में जनप्रतिनिधियों को दिया गया। कुछ ही समय में पारा में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिका की नियुक्ति की गई।

समस्त मितानिने-वार्ड क्र. 60

विकलांगता अभियान

19 शहरो की मितानिनो एवं महिला आरोग्य समिति के सदस्यों के द्वारा गत तीन माह में कुल 391 विकलांग प्रमाण पत्र बनवाया गया एवं 661 विकलांग जनों को शासन के अन्य योजनाओं का लाभ दिलवाया गया। मितानिनों द्वारा परिवार भ्रमण कर विकलांगों की पहचान और उन्हें शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाये जाने के संबंध में किये गये प्रयास -

महिला का मितानिन के प्रयास से विकलांगता प्रमाण पत्र बना (शिवाजी वार्ड-8, मुंगेली)

पारा भ्रमण के दौरान मितानिन को पता चला की उसके पारा में एक 55 वर्षीय महिला विकलांग है। मितानिन उनके घर गयी तो उससे पता चला की बुजुर्ग महिला का एक हाथ काम नहीं करता है। मितानिन ने उन्हें विकलांगता प्रमाण पत्र के बारे में बताया और उससे शासकीय योजना के मिलने वाले लाभों के बारे में बताया। पहले तो परिवार वाले मना कर दिए की अस्पताल के बहुत चक्कर काटना पड़ेगा और वहां तो काम नहीं होता है बोल दिए। परन्तु मितानिन के बार–बार समझाने पर महिला मान गयी और मितानिन को बोली अगर तुम मुझे लेकर जाओगी तब ही मैं जाउंगी। मितानिन महिला को दूसरे दिन अस्पताल लेकर गयी और फार्म भरी लेकिन डाक्टर नहीं आये थे तो अगले सप्ताह आने के लिए बोला गया। मितानिन महिला को लेकर अगले सप्ताह फिर गयी परन्तु फिर भी डॉक्टर नहीं थे। इस तरह तीन माह बीत गया। महिला परेशान हो गयी थी और उसने प्रमाण पत्र बनने की उम्मीद छोड़ दी थी। मितानिन ने फिर भी प्रयास जारी रखा महिला को समझाती रही और फिर से एक बार अपने साथ अस्पताल लेकर गयी। इस बार उसे दूसरा फार्म भरने दिया गया और उस दिन डॉक्टर भी आये थे तो उन्होंने महिला की जांच कर प्रमाण पत्र के लिए लिख दिया और एक माह में बन जाएगा बोले। एक माह में महिला का विकलांगता प्रमाण पत्र बन गया।

वर्षा यादव-मितानिन

पैर से विकलांग बच्चे को मितानिन ने व्हील चेयर और राशन का लाभ दिलवाया (महादेव वार्ड-11, कांकेर)

पारा में परिवार भ्रमण के दौरान मितानिन को पता चला की पारा में एक परिवार में एक 10 वर्षीय बच्चा विकलांग है। मितानिन उस परिवार से मिलने गयी। मितानिन ने बच्चे को देखा और उसके परिवार की स्थिति को जानने के बाद उन्हें समझाया विकलांगता प्रमाण पत्र के आधार पर शासन की बहुत सी योजनाओं का लाभ आपके बच्चे को मिल सकता है। परिवार वालों ने बताया की उनके बच्चे का विकलांगता प्रमाण पत्र नहीं बना है। मितानिन ने सबसे पहले बच्चे को जिला अस्पताल ले जाकर विकलांगता प्रमाण पत्र बनवाया। शासन की योजना का लाभ दिलवाने के लिए मितानिन और बच्चे के परिवार के सदस्य एम.टी. की सलाह पर समाज कल्याण आयोग गए। समाज कल्याण के सर ने बच्चे के पिता से उसकी आय पूछी और बच्चे के इलाज के बारे में पूछा और उसके बाद मां से पूछा की तुमको बच्चे के लिए क्या चाहिए। मां ने बोला की उन्हें बच्चे के लिए जूता और ओ.सी.पी.यू. चेयर चाहिए। सर ने तुरंत एक फार्म भरने बोला और अगले दिन बच्चे को ओ.सी.पी.यू. चेयर मिला गयी। मितानिन के द्वारा बच्चे के लिए राशन कार्ड का लाभ दिलवाने के लिए आवेदन दिया गया है।

पुष्पा ठाकुर-मितानिन

मितानिन के प्रयास से बच्चे को कान की सुनने की मशीन मिली (स्व. बलिराम कश्यप वार्ड-43, जगदलपुर)

पारा में एक विकलांग लड़का है। यह लड़का जन्म से बोल नहीं पाता था और धीरे–धीरे उसे सुनाई भी कम देने लगा था। लड़के के परिवार वाले वार्ड पार्षद से मदद के लिए बहुत प्रयास किये परन्तु कोई लाभ नहीं मिला। पारा की मितानिन को जब लड़के के बारे में पता चला तो वह लड़के से मिलने गयी और उसके लिए विकलांगता प्रमाण पत्र बनवाने के लिए परिवार वालों से बात की। परिवार वाले बोले हमने प्रयास कर लिया और हमें कुछ नहीं मिला। मितानिन को उनकी बात सुनकर अच्छा नहीं लगा। मितानिन ने बोला की वह भी एक बार प्रयास करेगी। मितानिन लड़के को अपने साथ जिला अस्पताल लेकर गयी और डॉक्टर से कान की जांच करवाई और उसे शासन की योजना का लाभ दिलवाने के लिए जिला पंचायत भी लेकर गयी। मितानिन के प्रयास से लड़के को सुनने की मशीन मिल गयी।

ममता गुप्ता-मितानिन

ब्रेन हेम्रेज से लकवा की शिकार हुयी महिला का मितानिन ने विकलांगता प्रमाण बनवाया (वार्ड-7, गुरु घासीदास नगर, भिलाई, चरोदा)

पारा में एक 45 वर्षीय महिला रहती है। इस महिला को वर्ष 2018 में ब्रेन हेम्रेज हुआ था। उसके बाद से महिला को चलने, उठने बैठने में बहुत तकलीफ होती थी। महिला का बायां हिस्सा सिर से पैर तक काम नहीं करता था। पारा के मितानिन ने महिला के परिवार वालों को परिवार भ्रमण के दौरान विकलांगता प्रमाण पत्र बनवाने और उससे मिलने वाले फायदे के बारे में बताया। मितानिन की बात मानकर एक दिन महिला के परिवार वाले और मितानिन महिला को जिला अस्पताल लेकर गए और डॉक्टर ने जांच कर विकलांग होने की पुष्टि की और महिला का विकलांग प्रमाण पत्र बना दिए।

ननकी भर्ती-मितानिन

महिला हिंसा

मितानिन ने बाल विवाह को रोक कर एक नाबालिक का जीवन बचाया (भाठागांव, बी.एस.यू.पी. कालोनी, रायपुर)

पारा की एक महिला ने अपनी 16 साल की बेटी की शादी तय कर दी थी। बारात आने के एक दिन पहले किसी तरह लड़की ने पारा की मितानिनों को खबर की वह शादी नहीं करना चाहती है और उसकी जबरदस्ती शादी की जा रही है। पारा की मितानिनों ने महिला बाल विकास समिति और पुलिस में रिपोर्ट दर्ज करवाई। थोड़ी ही देर में लड़की के घर आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, थाने से महिला पुलिस और महिला बाल विकास विभाग के कर्मचारी पहुंच गए। लड़की ने अधिकारियों को बतया की उसकी मां उसे बांध कर कमरे में रखती है, मारपीट करती है और हल्दी भी उसका हाथ बांध कर लगायी गयी है। लड़की की मां ने लड़की पर आरोप लगाया की यह दिनभर लड़कों से फोन पर बात करती है। लड़की की स्थिति को देखते हुए उसे बाल संरक्षण गृह में ले जाया गया। **मीना मरावी, पार्वती -मितानिन**

बच्ची के साथ गलत काम करने वाले को मितानिन ने सजा दिलाई

पारा में एक परिवार रहता है जिनकी एक 7 वर्ष की बेटी है। इस परिवार के पड़ोस में एक 45 वर्षीय पुरूष भी रहता है। बच्ची उस पुरुष को दादा जी कहती थी। यह पुरुष बच्ची को गलत नजर से देखता था और उस पर हर समय नजर रखता था। वह पुरुष बच्ची को चाकलेट बिस्किट के बहाने अपने घर में बुलाता था और उसके साथ गलत काम करता था। बच्ची को डरा धमका कर रखा था की अपने मां पिता को इस बारे में कुछ नहीं बताना। बच्चे को गलत काम करते समय आवाज ना हो इसके लिए कटोरी चम्मच बजाने बोलता था। इसी दौरान पुरुष ने बच्ची को एक दिन अपने घर बुलाया और उसके साथ गलत काम किया जिससे बच्ची को पेट और पैर में बहुत दर्द हुआ और चल भी नहीं पा रही थी। बच्ची की मां ने बच्ची से बहुत पूछा तो बच्ची ने डरते और रोते हुए मां से सारी बात बता दी। मां ने बच्ची के पिताजी और दादी को यह बात की जानकरी दी। उसी समय पारा की मितानिन परिवार भ्रमण के लिए निकली थी तो बच्ची की दादी ने उसे अपनी पोती के साथ जो हुआ था उसके बारे में सब बता दिया। मितानिन परिवार वालों के साथ थाने गयी और रिपोर्ट दर्ज करवाई। रिपोर्ट लिखाने के बाद बच्ची के पड़ोसी और रिश्तेदार सभी ने गवाही देने से मना कर दिया। बहुत प्रयास के बाद मामला कोर्ट तक पहुंचा और मितानिन ने कोर्ट में गवाही दी। कोर्ट से उस पुरुष को उम्र कैद की सजा हुयी। बच्ची को सरकार की ओर से सहायता राशी दिलवाने में मितानिन ने मदद की। अभी बच्ची स्वस्थ है।

मितानिन के समझाने पर एक मां ने अपने तीसरे बच्चे को अपनाया (परमहंस वार्ड-6, मुंगेली)

पारा में एक गर्भवती महिला तीसरी बार मां बनने वाली थी। गर्भवती के घर वालों और उसे खुद भी ऐसा लगता था की इस बार उसे लड़का ही होगा। महिला को जब दर्द हुआ तो मितानिन को बुलाया गया। गर्भवती के घर वालों ने तो मितानिन को यह भी बोल दिया की अगर बेटा होगा तो नसबंदी का आपरेशन करवा देना। मितानिन गर्भवती को पहले यू.पी.एच. सी. लेकर गयी परन्तु वहां से गर्भवती को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। गर्भवती का प्रसव हुआ और एक बेटी का जन्म हुआ। बेटी का नाम सुनते ही पुरे परिवार का चेहरा उतर गया। कोई किसी से बात नहीं कर रहा था। प्रसूता को जब पता चला तो वह तो अजीब सा व्यवहार करने लगी। महिला ने बच्चे को देखना तो दूर उसे दूध भी नहीं पिला रही थी वह मितानिन को बोली की इसे फेंक दो। मितानिन बहुत देर तक महिला की बात सुनते रही फिर उस महिला को समझाया की बेटा और बेटी में कोई अंतर नहीं होता है। बेटों की तरह बेटियां भी अपने परिवार का ध्यान रखती है, आज कल लड़कियां किसी से कम नहीं है और मितानिन ने महिला को समझाया की तुम खुद एक औरत हो और तुम ऐसा बोलोगी तो कैसा चलेगा। मितानिन तो यह भी बोल दिया की अगर तुम्हें नहीं पालना है तो मुझे दे दो और फिर हमेशा के लिए भूल जाना की तुमने इसे जन्म दिया था। मितानिन की बात सुनकर महिला का दिल पसीज गया उसने मितानिन से माफी मांगी और मितानिन से बोली की मैं कभी भी अपनी बेटियों को इस बात का एहसास नहीं होने दूंगी। महिला ने मितानिन को धन्यवाद दिया। **शीला श्रीवास-मितानिन**

वार्ड -5, नुरानी चौक, नयापारा महासमुंद

पारा की मितानिन एक दिन बाजार से लौट रही थी तो उसे रास्ते में उसके पारा की एक महिला रोते हुए मिली। महिला ने रोते–रोते मितानिन को बताया की उसके पति ने शराब के नशे में घर में तोड़ फोड़ की है टी.वी. घड़ी सब तोड़ दिया है और उसे मायके जाने और वहां से पैसे लाने के लिए बोल रहा है। इतना ही नहीं उसने मारा भी है। महिला बहुत परेशान थी उसने मितानिन को बोला की वह थक गयी है और वह आत्महत्या करना चाहती है। वह मायके जाकर किसी को परेशान नहीं करना चाहती। मितानिन ने एम.टी. को फोन किया और वह भी आ गयी। मितानिन और एम.टी. ने महिला को 181 में फोन लगाने के लिए बोला और महिला ने फोन कर अपनी शिकायत 181 में दर्ज करा दी। मितानिन और एम.टी. महिला के साथ उसके बगल वाले घर में बैठे थे और उसी समय महिला का पति फिर से पीकर आ गया और सबके साथ गाली–गलौच करने लगा और बोलने लगा की पुलिस वाला मेरा क्या उखाड़ लेगा मैं तेरा आंख फोड़ दूंगा और तुझे मार दूंगा। उसी समय पुलिस वहां आ गया और उसकी सब बात सुन लिया। पुलिस वाले ने आदमी को घर से बाहर निकाला और खूब पीटा और थाने ले गया। थोड़ी देर बाद दोनों को यह समझाकर की अगली बार ऐसा हुआ तो सीधा जेल भेज दूंगा और जमानत भी नहीं होगी कहकर घर भेज दिया। अब वह पुरुष ठीक से रहता है अपनी पत्नी को नहीं मारता है। **उम्मेसलमा-मितानिन**

जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों को रोकने मितानिन और समिति के द्वारा किये जा रहे प्रयास

जलवायु परिवर्तन प्रशिक्षण में सीखी बातो को क्षेत्र में लागु किया गया (वार्ड-67, पुराना सरकंडा, बिलासपुर)

महिला आरोग्य समिति का जलवायु परिवर्तन पर प्रशिक्षण चल रहा था और पहले दिन जल और वायु प्रदूषण पर चर्चा की गयी। पहले दिन के प्रशिक्षण के बाद समिति की एक सदस्य जब घर वापस जा रही थी तो उन्होंने देखा की नल का पाईप खराब होने के कारण पानी बह रहा है। समिति की दीदी ने यह जानकरी पार्षद को दी। पार्षद ने पलम्बर को भेज मरमत करवाई परन्तु फिर भी पानी बह रहा था। दूसरे दिन समिति की दीदी जब प्रशिक्षण के लिए जा रही थी तब देखा की अभी भी पानी बह रहा है। दीदी ने पार्षद से फिर से बात की और उन्हें समझाया की पानी की वैसे ही कमी हो रही है और हमें पानी को बचाना चाहिए। दीदी ने पार्षद से पाईप में खराबी है उसे बदलवाने के लिए कहा परन्तु पार्षद नही मान रहा था। दीदी ने पार्षद से कहा की आप अगर पाईप नहीं बदलवाओगे तो निगम में हम लोग आवेदन देंगे। आवेदन की बात सुनकर पार्षद ने तीसरे दिन पाईप बदलवा दिया।

गीता कैवर्त-एम.ए.एस. सदस्य

वायु प्रदूषण के बारे में जानकरी लेने के लिए समिति को दिया जा रहा है प्रशिक्षण (कोरबा)

जलवायु परिवर्तन पर लोगों की समझ विकसित करने के लिए मितानिन कार्यक्रम के द्वारा समुदाय स्तर पर प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसके अतर्गत महिला आरोग्य समिति एवं मितानिनों को एटमोस मानिटर के माध्यम से वायु प्रदूषण की स्थिति का पता लगाना सिखाया जा रहा है। एटमोस मानिटर में रीडिंग पी.एम. 2.5, पी.एम. 10 रीडिंग फार्मेट को एम.टी. वितरण किया गया है। इस रीडिंग को जनसमुदाय के मध्य साझा किया जा रहा है और जनसमुदाय के द्वारा प्रदूषण की जानकरी पार्षद और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को दी जा रही है। महिला आरोग्य समिति के द्वारा प्रदूषण को रोकने के लिए जिन घरों में कोयला या चूल्हा में खाना पकाया जा रहा है उनके घरों में धुआं रहित चूल्हा बनवाया जा रहा है साथ ही प्रदूषण से होने वाली बीमारियों के बारे में जानकरी दी जा रही है।

नेहा महंत-एस.सी.एम.

जलवायु परिवर्तन पर प्रशिक्षण के बाद मितानिनो दवारा वायु प्रदूषण को रोकने किया गया प्रयास (संत रविदास वार्ड-70, टाटीबंध बी.एस.यू.पी. कालोनी, रायपुर)

पारा में महिला आरोग्य समिति की बैठक की गयी। बैठक में पारा के सभी लोग उपस्थित थे। बैठक में प्रदूषण पर चर्चा की जा रही थी। समिति के सदस्यों ने एम.टी. और साथियों को यह बताया की हमारे आसपास जो फैक्ट्री है उससे निकलने वाले धुएं से हमें बहुत परेशानी हो रही है। समिति के सदस्यों ने फिर यह भी बोला की हम लोग फैक्ट्री वालों को इस संबंध में एक आवेदन देना चाहते हैं पर हम डर के मारे नहीं दे पा रहे हैं। बैठक में उपस्थित एम.टी. और मितानिनों ने समिति के सदस्यों को समझाया की वे लोग भी हमारी तरह ही होते हैं उनसे डरने की कोई जरुरत नहीं है। एम. टी. ने सबको समझया की फैक्ट्री की चिमनी में शुद्धिकरण यंत्र लगा है या नहीं हमें यह बस पूछना है। उसके बाद मितानिन के द्वारा समिति के लोगों को आवेदन के साथ फैक्ट्री भेजा गया। बैठक में विधायक प्रतिनिधि भी आये हुए थे। महिला आरोग्य समिति और पारेवासी को अट्मोस मानिटर दिखाकर बताया गया की पी.एम. 2.5 और पी.एम. 10 का रीडिंग हर दिन बढ़ा हुआ आ रहा है। उसे भी समझाया गया तथा संलग्न आवेदन दिया गया।

समिति और मितानिन के प्रयास से राखड़ से होने वाले प्रदूषण की पहचान कर कार्यवाही की गयी (वार्ड-47, चोरभट्ठी, कोरबा)

चोरभट्ठी पारा में एक लोतलोता नाम का डेम है। यह राखड़ डेम है। पारा व आसपास के क्षेत्रों में राखड़ हमेशा उडती रहित है जमा हो जाती है। इस वजह से लोगों को बहुत परेशानी हो रही थी। पारा के लोगों के खाने में राख आने लग गयी थी। सांस लेने में परेशानी होने लग गयी थी। पारा में महिला आरोग्य समिति के द्वारा बैठक की गयी और पारा के लोगों को इस बारे में समझाया गया और एक आवेदन तैयार कर डेम आफिस में देने की कार्ययोजना बनायी गयी। आवेदन को आफिस में दिया गया परन्तु कोई कार्यवाही नहीं की गयी। पारे वाले कोई कार्यवाही नहीं होने पर हड़ताल में बैठ गए। हड़ताल देखकर एन.टी.पी.सी. के अधिकारी आए और उन्होंने आश्वासन दिया की वे राखड़ नहीं उड़े इसकी व्यवस्था करेंगे। राखड़ डेम में पाइप बिछाया गया और उसमे हमेशा पानी का छिडकाव किया जाता रहता है जिसकी वजह से अब राखड़ नहीं उड़ रहा है और लोगों की परेशानी कम हो गयी।

महिला आरोग्य समिति